Departmental activities
Academic year 2017-18

Name of Activity- Geography Educational Tour to Mixed Forest of Jagat singh Jungali, Kot Malla

Academic year 2018-19
1- Name of Activity -Geography Educational Tour-Baijnath and Kausani,
Date:27&28 April 2019

2- Name of Activity -Swachhata Pakhwada
Date:02 Oct 2018

Academic year 2019-20
Name of Activity -Regional seminar on Disaster Management
Date: 28 Nov 2019

डॉ० शिवानन्द नौटियाल
कर्णप्रयाग (चमोली)

Academic year 2020-21
1- Name of Activity -One day workshop on cleanliness of River Ganga
Date:19 Mar 2021

2- Name of Activity -International Webinar on the topic-"Climate Change: It's Time for Action"
Date:16 Sep 2020

Academic year 2021-22
1- Name of Activity -Plantation Drive on Harela Mahotsav
Date: 16 July 2022

नमामि
गंगे

नमामि
गंगे
हरेला पर्व एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम
डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रप्रयाग (हेमंती)

पर पप कमचारा का पिटाइ।

महाविद्यालय कर्णप्रयाग में हरेला के तहत हुआ पौधरोपण

गोपेश्वर। चमोली जिले के कर्णप्रयाग महाविद्यालय मे हरेला पर्व को इस वर्ष 14 जुलाई से 30 जुलाई तक उत्सव के रूप मे मनाया जा रहा है। जिनमे विभिन्न गतिविधियो का आयोजन किया जायेगा। गुरूवार को हरेला पर्व का शुभारंभ छात्रों की ओर से सौ से अधिक पौधों का रोपण कर किया गया।

14 से 30 जुलाई तक चलने वाले इस हरेला उत्सव मे नमामि गंगे के नोडल अधिकारी डॉ. आरसी भट्ट के दिशानिर्देशन में सेल्फी विद प्लांट कार्यक्रम के रूप मे चलाया जायेगा। प्रत्येक छात्र-छात्रा की ओर से महाविद्यालय के निकटवर्ती गांवो में पौधरोपण किया जाएगा। छात्रों की ओर से लगाये गये इस पौधों के साथ सेल्फी लेकर नमामि गंगे कार्यालय को भेजी जायेगी। जिसके बाद प्रत्येक छात्र को प्रमाण पत्र और पुरस्कार दिया जाएगा। नोडल अधिकारी ने बताया कि हरेला कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न दिवसो पर महाविद्यालय मे विचार-गोष्ठी एवं प्रतियोगिताओ का आयोजित की जायेगी। कार्यक्रम मे प्राध्यापक डॉ. एमएस कण्डारी, डॉ. एसआर सिंह, डॉ. वाईसी नैनवाल, डॉ. तौफिक अहमद, नमामि गंगे के नोडल अधिकारी डॉ. आरसी भट्ट, डॉ. राधा रावत, डॉ. चन्द्रावती टमटा, डॉ. कविता पाठक, डॉ. इन्द्रेश पाण्डेय, डॉ. रूपेश कुमार श्रीवास्तव, डॉ. शीतल देशवाल, डॉ. कीर्तिराम डगवाल, डॉ. मृगांक मलासी, डॉ. पूनम, डॉ. स्वाति सुन्दरियाल, डॉ. शीतल देशवाल, डॉ. शालिनी सैनी, डॉ. दिशा शर्मा, डॉ. रविन्द्र कुमार, डॉ. कमल किशोर द्विवेदी, डॉ. नरेंद्र पंघाल, डॉ. भरत लाल, डॉ. रविन्द्र नेगी, एसएल मुनियाल, जेएस रावत, रामकृष्ण पुरोहित, संजीव कुमार, शुभम, गबर सिंह आदि मौजूद थे।

2- Name of Activity -Geography Department poster Competition on the occasion of Environment Day
Date: 5th June 2022

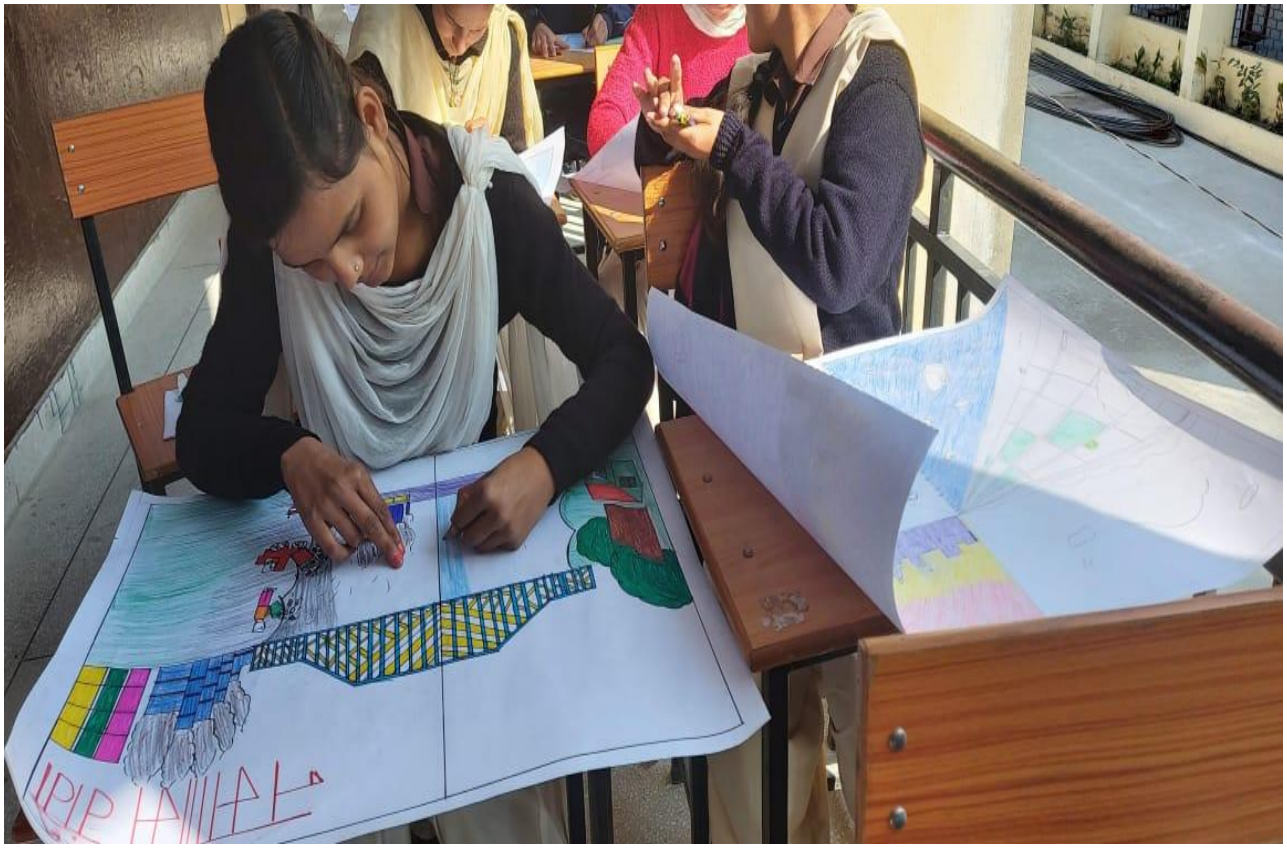

3- Name of Activity -Geography Field Work, Nov. 2021

4- Name of Activity -Dr. Shivanand Nautiyal Memorial Lecture, 26/06/2021

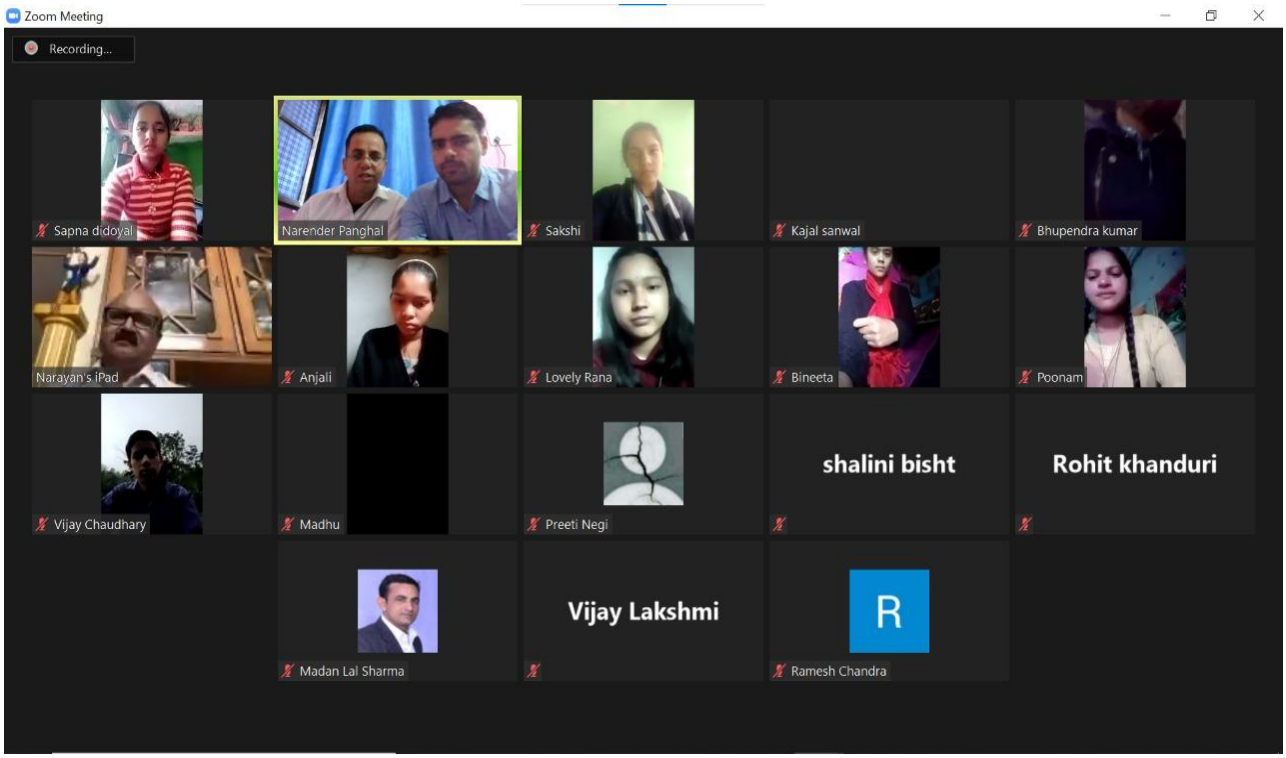

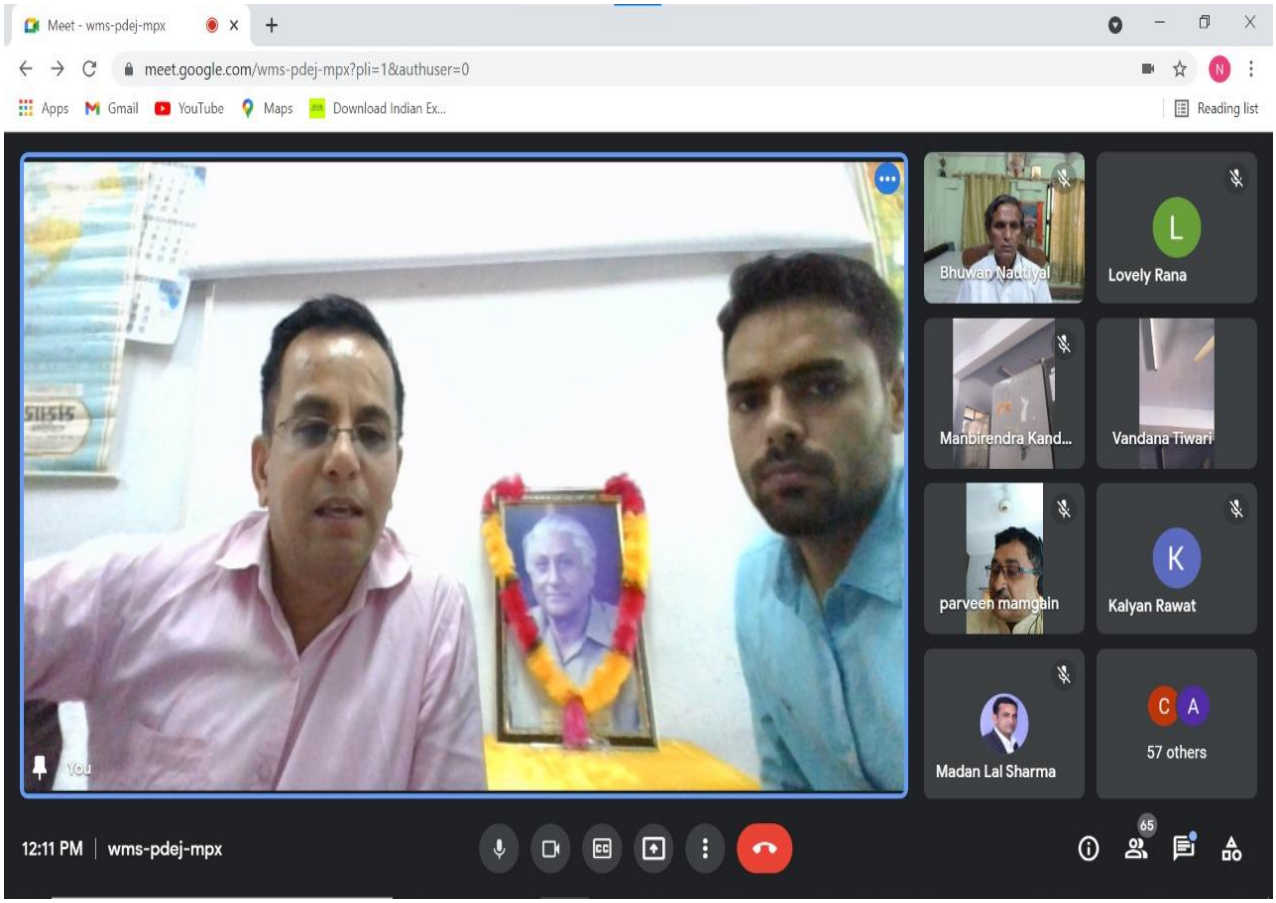

5- Name of Activity -Webinar on the occasion of Ganga Dussehra, 20/06/2021

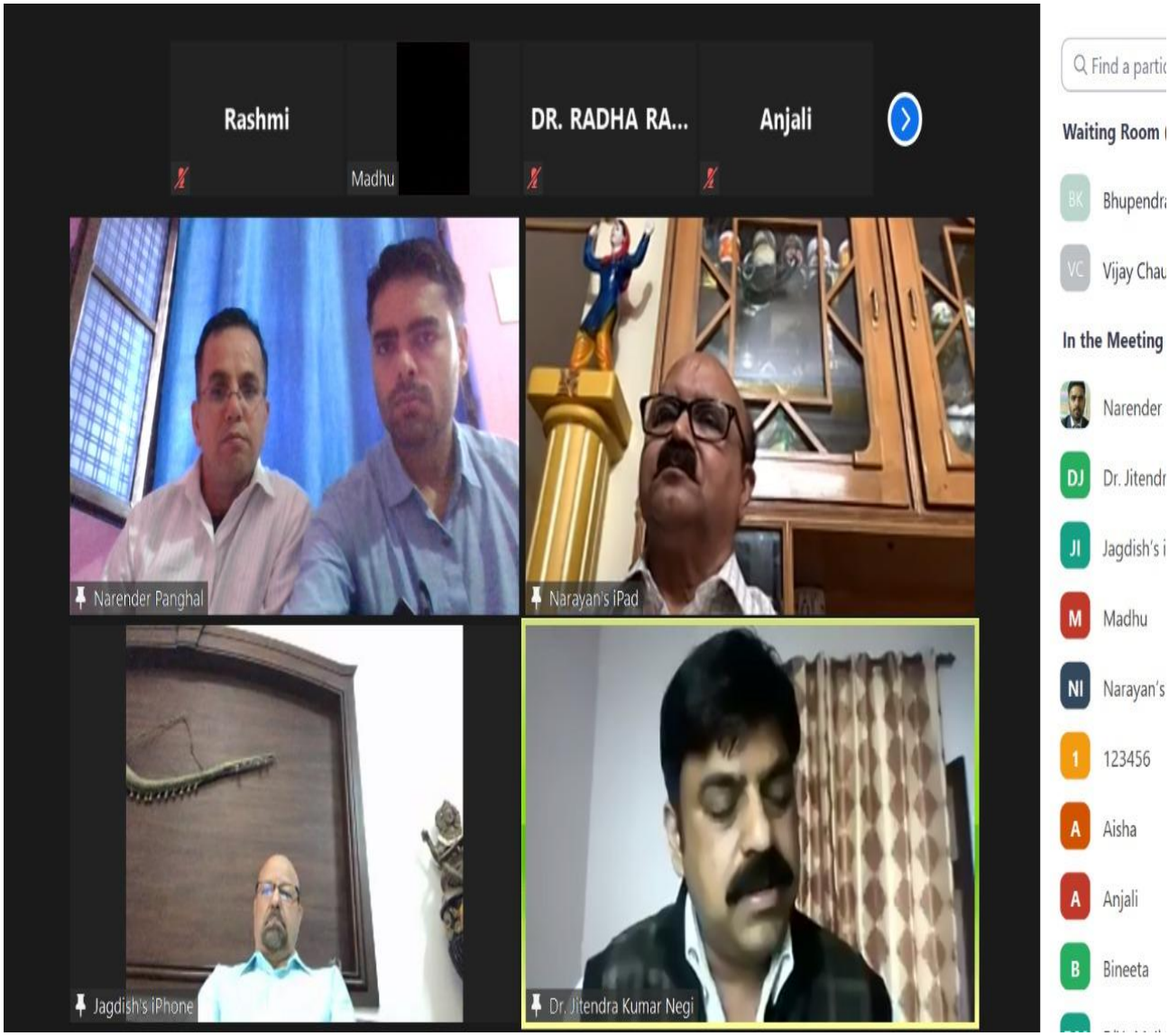

देहरादून। रविवार ● 27 जून ● 2021

डा. नौटियाल की स्मृति पर व्याख्यान आयोजित

■ कर्णप्रयाग/एसएनबी।

डा. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग में ऑनलाइन डा. शिवानंद नौटियाल स्मृति व्याख्यान आयोजित किया गया।

शनिवार को डा. नौटियाल के जन्मदिवस पर ऑनलाइन ब्याख्यान का शुभारंभ प्राचार्य डा. जगदीश प्रसाद ने स्व. नौटियाल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता मैती आंदोलन के जनक पद्मश्री कल्याण सिंह रावत, शिवानंद नौटियाल विकास मंच के संयोजक भुवन नौटियाल, बहुगुणा विचार मंच के संयोजक हरीश पुजारी ने डा. शिवानंद नौटियाल के व्यक्तित्व, सामाजिक, राजनीतिक जीवन तथा कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उनका कहना था कि उच्च शिक्षा मंत्री रहते हुए नौटियाल ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया। महाविद्यालय कर्णप्रयाग की स्थापना, गौचर पॉलीटेक्निक, भराड़ीसैंण पशु प्रजनन केंद्र की स्थापना में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने गांव गांव स्कूल कालेज खोले और सड़क नेटवर्क का विस्तार किया।

इस दौरान संयोजक डा. आरसी भट्ट, डा. वंदना तिवारी, डा. रूपेश कुमार श्रीवास्तव ने भी ब्याख्यान दिए। कार्यक्रम में सह संयोजक डा. शीतल देशवाल, डा. नरेंद्र पंघाल, डा. न्हा तिवारी, डा. एमएस कंडारी, डा. राधा रावत, डा. कविता पाठक, डा. चंद्रावती टम्टा, डा. वीआर अंथवाल, डा. मदन लाल शर्मा, डा. कीर्तिराम डंगवाल, जेएस रावत समेत तमाम प्राध्यापक छात्रछात्राएं ब्याख्यान कार्यक्रम में शामिल रहे।

गया।

कर्णप्रयाग महाविद्यालय में हुआ डा. शिवानंद नोटियाल की स्मृति में व्याख्यान

गोपेश्वर (बद्री विशाल)। डा. शिवानंद नोटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग, में शनिवार को डा॰ शिवानंद नोटियाल के जन्मदिन दिवस पर वर्चुअल माध्यम से व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता के पदमश्री कल्याण सिंह रावत ने कहा कि उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा मंत्री रहते हुए डा. नोटियाल ने शिक्षा के विकास के लिए कई कार्य किये। उन्होंने पहाड़ में सड़कों का जाल बिछा दिया था। गैरसैण में विदेशी पशु प्रजनन केंद्र की स्थापना, कर्णप्रयाग महाविद्यालय की स्थापना, गौचर में पॉलीटेक्निकल की स्थापना उन्ही की देन है। उन्होंने कहा कि उनके किये गए विभिन्न कार्यो से आज समाज के विभिन्न वर्ग विकास की ओर आगे बढ रहा है। उन्होंने कहा कि डा. नौटियाल के विकास कार्यों का पहाड़ हमेशा याद रखेगा। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. जगदीश प्रसाद, भुवन नोटियाल, हरीश पुजारी, डा. आरसी भट्ट, डा. रूपेश कुमार श्रीवास्तव आदि ने अपने विचार रखे।

हिमालय दिवस पर छात्रों ने ली हिमालय संरक्षण की शपथ

गोपेश्वर (बद्री विशाल)। हिमालय दिवस पर गुरूवार को जिले के विभिन्न विद्यालयों और स्कूलों में हिमालय संरक्षण की शपथ ली गई।

चमोली जिले के डॉ. शिवानंद नोटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग, चमोली मे हिमालय दिवस के अवसर पर हिमालय के संरक्षण की शपथ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जगदीश प्रसाद ने दिलाई। जिसमे महाविद्यालय के प्राध्यापक, छात्र-छात्राओ ने प्रतिभाग किया। भूगोल विभाग की ओर से आनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें हिमालय की उत्पति से लेकर हिमालय के विकास पर विस्तृत व्याख्यान भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आरसी भट्ट, डॉ. नेहा तिवारी, डॉ. नरेंद्र पंघाल ने दिया जिसमें बताया गया कि वर्तमान समय मे हिमालय क्षेत्र मे मानवीय गतिविधियो के प्रभाव के कारण वैश्विक तापमान मे वृद्धि और अत्यधिक मात्रा आर्थिक क्रिया कलापो के कारण हिमालय क्षेत्र के वातावरण मे परिवर्तन हो रहा है जिससे इस भाग मे निवास करने वाले जीव जन्तु, प्राकृतिक वनस्पति पर इसका स्पष्ट प्रभाव देखा जा रहा है। कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि हिमालय के संरक्षण स्वच्छता की शपथ लेकर हिमालय को बचाने मे अपना योगदान दे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. वन्दना तिवारी, डा. एमएस कण्डारी, डॉ. रूपेश कुमार श्रीवास्तव सहित समस्त प्राध्यापक उपस्थित थे।

वहीं दूसरी ओर जोशीमठ विकास खंड के पैंनखण्डा इंटर कालेज सलूड़-डूंग्रा छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण और हिमालय संरक्षण की प्रतिज्ञा ली। विद्यालय के प्रधानाचार्य सीएस जदोड़ा ने बच्चों को हिमालय बचाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हिमालय बचाने के बाद ही स्वस्थ पर्यावरण की कल्पना की सकती है। विद्यालय के प्रवक्ता जगदीश चौहान ने कहा कि वर्तमान समय में हिमालय संरक्षण के लिए आम जनमानस को आगे आने की आवश्यकता है। इस मौके पर शिक्षक सतेंद्र कुमार, राकेश फरस्वाण, अवधेश सेमवाल, वीरेंद्र आर्य, राजेश तिवारी, ज्योति कुंवर, सस्ति सकलानी ने भी अपनी बात रखी।

हिमालय के संरक्षण की ली शपथ

कर्णप्रयाग/थराली/उत्तरकाशी/एसएनबी।

हिमालय दिवस पर महाविद्यालय कर्णप्रयाग में हिमालय संरक्षण की शपथ ली गई। जबकि थराली में पौधरोपण कर प्रकृति को हरा भरा बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

डा. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग में हिमालय दिवस पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. जगदीश प्रसाद ने छात्र-छात्राओं समेत प्राध्यापकों को हिमालय के संरक्षण की शपथ दिलाई। इस दौरान भूगोल विभाग द्वारा भूगोल विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस दौरान भूगोल विभागाध्यक्ष डा. आरसी भट्ट, डा. नेहा तिवारी व डा. नरेंद्र पंघाल ने हिमालय की उत्पति से लेकर हिमालय के विकास पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में हिमालय क्षेत्र में मानवीय गतिविधियों के प्रभाव के कारण वैि्क तापमान में वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही हिमालय भाग में निवास करने वाले जीव जन्तु, प्राकृतिक वनस्पति पर इसका प्रभाव देखा जा रहा है। उन्होंने सभी लोगों से हिमालय के संरक्षण व स्वच्छता की शपथ लेकर हिमालय को बचाने की अपील की। इस अवसर पर डा. वंदना तिवारी, डा. एमएस कंडारी, डा. रूपेश कुमार श्रीवास्तव समेत छात्र-छात्राएं व प्राध्यापक मौजूद रहे।

बधाणगढ़ी मंदिर में पौधों का हुआ रोपण

थराली। हिमालय दिवस पर सरपंच संगठन थराली ने प्रसिद्ध बधाणगढ़ी मंदिर परिसर में देवदार के पौधों का रोपण कर प्रकृति को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया। सरपंच संगठन के ब्लाक अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह रावत के नेतृत्व में सरपंचों एवं ग्रामीणों ने पिंडर एवं कत्यूर घाटी के प्रसिद्ध भगवती मंदिरों में सुमार बधाणगढ़ी मंदिर परिसर में पौधरोपण कर उन्हें संरक्षित करने का संकल्प लिया। इस मौके पर सरपंच संगठन ने प्रकृति को हरा-भरा के लिए पौधरोपण के लिए लोगों को जागरूक करने एवं पं अधिकाधिक पौधरोपण पर जोर दिया। मंदिर परिसर में देवदा.. पौधों का रोपण कर नंदा भगवती के साथ ही वृक्षों की भी पूजा-अर्चना की। इस दौरान सरपंच गिरीश जोशी, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी अनूप रावत आदि ने विचार व्यक्त किए।

उत्तरकाशी। राम चन्द्र उनियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय उत्तरकाशी के प्रांगण में हिमालय दिवस के उपलक्ष्य में प्रोफेसर एवं स्टाफ सहकर्मियों ने हिमालय के संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ ली। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो सविता गैरोला ने कहा कि हिमालय को बचाने के लिए सभी को धरातल पर कार्य करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि हिमालय संरक्षण के लिये समय-समय पर पौधरोपण तथा प्लास्टिक प्रदूषण काम करने करने के प्रयास किये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में प्रतिवर्ष 9 सितंबर को हिमालय दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष भी महा विद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा ऑनलाइन वेबीनार तथा ऑन लाइन भाषण प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं ने ऑन लाइन ही हिमालय सरंक्षण कि शपथ ली। भाषण प्रतियोगिता में महादेव सिंह प्रथम स्थान पर रहे। द्वितीय स्थान पर अवन्तिका तथा तृतीय स्थान पर साधना रहे। मनीषा एवं आशिका प्रोत्साहन पुरस्कार विजेता रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक डॉ एमपीएस परमार, सह संयोजक डा जय लक्ष्मी रावत आदि रहे।

नौटियाल ने पर्वतीय क्षेत्रों में शिक्ष के नए आयाम किए स्थापित

कर्णप्रयाग | हमारे संवाददाता

उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व शिक्षा मंत्री रहे और कर्णप्रयाग विधानसभा से विधायक रहे स्व. डा. शिवानंद नौटियाल की जयंती पर स्व. डा. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन की गई। जिसमें कहा गया कि डा. शिवानंद नौटियाल के समय पर्वतीय क्षेत्रों में शिक्षा के नए आयाम स्थापित किए गए।

शनिवार को आयोजित गोष्ठी की शुरुआत से पूर्व स्व. डा. शिवानंद नौटियाल के चित्र पर पुष्प अर्पित किए गए। जिसके बाद शुरू हुई ऑनलाइन गोष्ठी में मुख्य वक्ता पदम श्री पुरस्कार से सम्मानित और मैती संस्था के संस्थापक कल्याण सिंह, डा. शिवानंद नौटियाल फाउंडेशन के संयोजक भुवन नौटियाल, बहुगुणा विचार मंच के संयोजक हरीश पुजारी, द्वारा डा. शिवानंद नोटियाल के जीवन पर प्रकाश डाला गया।

पूर्व विधायक डॉ. नौटियाल को गैरसैंण में किया याद

गैरसैंण । गैरसैंण अविभाज्य उप्र में कर्णप्रयाग के पूर्व विधायक एवं कई बार मंत्री रहे डॉ. शिवानंद नौटियाल के अवतरण दिवस के मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर मालार्पण कर याद किया। इस मौके पर मोहन लाल टमटा,विरेन्द्र सिंह रावत, विपुल गौड़, विनोद पंवार,शिव सिंह, कृष्णा नेगी,विनोद नेगी, मनवर पंवार,संजय चौहान, कुंवर सिंह, त्रिलोक सिंह, शंकर सिंह आदि कांग्रेस जन थे। वहीं दूसरी ओर पूर्व ज्येष्ठ उप प्रमुख अवतार नेगी आदि ने भी उन्हें याद किया।

जलवायु परिवर्तन पर वेबिनार 16 को

कर्णप्रयाग। पीजी कॉलेज में 16 सितंबर को आईक्यूएसी के तहत भूगोल विभाग की ओर से 'जलवायु परिवर्तन अब वक्त है फैसले लेने का' विषय पर ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया जाएगा। वेबिनार के संयोजक व भूगोल विभाग के प्रोफेसर डॉ. रमेश चंद्र भट्ट ने बताया कि मुख्य वक्ता के रूप में इसरो के पूर्व वरिष्ठ अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. ओपी पांडेय, पद्म भूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, अहमदाबाद के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक व भूगर्भ शास्त्री डॉ. नवीन जुयाल, यूपी बागपत के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राम शर्मा, बीएचयू में भूगोल विभाग की प्रोफेसर डॉ. शुभ्रा शर्मा की ओर से वर्तमान समय में हमारे आर्थिक क्रिया कलापों के कारण जलवायु में हो रहे परिवर्तन पर व्याख्यान देकर परिचर्चा करेंगे। संवाद

जलवायु परिवर्तन पर चर्चा में प्रतिभाग का मौका

कर्णप्रयाग : डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग में आइक्यूएसी के तहत भूगोल विभाग द्वारा जलवायु परिवर्तन, अब वक्त है फैसला लेने का विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। वेबिनार का आयोजन 16 सितंबर सुबह नौ बजे से अपराह्न एक बजे तक होगा। वेबिनार का ऑनलाइन उद्घाटन उच्चशिक्षा निदेशक प्रो. कुमकुम एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. जगदीश प्रसाद द्वारा किया जाएगा। प्रतिभाग के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 15 सितंबर है। (संसू)

प्रकृति के साथ तालमेल से रुकेगा जलवायु परिवर्तन

संवाद सूत्र, कर्णप्रयाग: वर्तमान समय में परिस्थितिकी तंत्र के साथ सामंजस्य स्थापित कर जलवायु परिवर्तन में हो रहे बदलाव को रोक सकते हैं। इसके साथ ही आने वाली पीढ़ी को जलवायु परिवर्तन के कुप्रभावों से बचा सकते हैं।

डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय महाविद्यालय कर्णप्रयाग में भूगोल संकाय के तत्वावधान में जलवायु परिवर्तन विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें पर्यावरण से जुड़े देश-विदेश के 150 प्रांतों के विज्ञानियों एवं बुद्धिजीवियों ने प्रतिभाग कर ऑनलाइन व्याख्यान देते हुए शोध पत्र प्रस्तुत किए। वेबिनार का उद्घाटन करते हुए प्राचार्य डॉ.जगदीश प्रसाद ने कहा प्रकृति के साथ असीमित छेड़छाड़ खतरे की घंटी है। इसलिए प्रकृति के साथ छेड़छाड़ को रोकना जरूरी है। मुख्य वक्ता अमेरिका की प्रो.कैरोलिन हीसिंग ने अमेरिका में

चर्चा

- राजकीय महाविद्यालय में जलवायु परिवर्तन पर एक दिवसीय वेबिनार
- देश-विदेश के 150 से अधिक विज्ञानियों ने किया प्रतिभाग

जलवायु परिवर्तन पर हो रहे शोध को विस्तार से बताया। पद्मभूषण से सम्मानित डॉ.अनिल जोशी ने कहा हिमालय क्षेत्र जैवविविधता से भरा पड़ा है। ऐसे में यहां अधिक से अधिक हरियाली लाने की दिशा में प्रयास जारी रखते हुए प्राकृतिक जलस्रोतों का समय पर संरक्षण करना होगा। भूगर्भशास्त्री नवीन जुयाल ने उत्तराखंड में वर्ष 1950 से अब तक हुए जलवायु परिवर्तन को क्रमबद्ध तरीके से रखते हुए यहां बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने और आए दिन अधिक तापमान से गर्म हो रहे वातावरण से पौधों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को रखा।

'जलवायु परिवर्तन से ओजोन परत को नुकसान'

कर्णप्रयाग। पीजी कॉलेज कर्णप्रयाग में भूगोल विभाग की ओर से 'क्लाइमेट चेंज टाइम फॉर एक्शन' विषय पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में जलवायु में हो रहे परिवर्तन पर विदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों के 150 से अधिक वैज्ञानिकों, भूगोल वक्ताओं व भूगर्भशास्त्रियों ने ऑनलाइन व्याख्यान देकर शोधपत्र प्रस्तुत किए।

'क्लाइमेट चेंज टाइम फॉर एक्शन' पर हुआ वेबिनार

वेबिनार का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जगदीश प्रसाद ने किया। उन्होंने कहा कि हमें जलवायु के साथ सामंज़स्य स्थापित कर कार्य करने चाहिए। संयोजक डॉ. रमेश चंद्र भट्ट ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं और ओजोन परत को नुकसान हो रहा है। यह आने वाले समय के लिए खतरनाक है। हमें इनके बचाव के लिए ठोस उपाय करने होंगे। अमेरिकी विवि के प्रोफेसर कैरोलिन हीसिंग ने जलवायु में हो रहे परिवर्तन एवं अमेरिका की ओर से किए गए आर्थिक क्रियाकलापों के कारण वहां की जलवायु में हो रहे परिवर्तनों के बारे में बताया गया। पद्म भूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने कहा कि वातावरण में बढ़ रहे ग्रीन हाउस के प्रभाव को कम करना जरूरी है। संवाद

निबंध में श्रवण, पेंटिग में राहुल प्रथम रहे

कर्णप्रयाग। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में ऑनलाइन निबंध, पेंटिंग और वाद विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों द्वारा न फॉर यूनिटी के लिए शपथ ग्रहण का कार्यक्रम किया गया।

महाविद्यालय के डा. आरसी भट्ट ने बताया कि आयोजित निबंध प्रतियोगिता में श्रवण प्रथम, गणेश द्वितीय और लक्ष्मी तृतीय रहीं। पेंटिंग में राहुल प्रथम, शालिनी द्वितीय और दिव्या तृतीय रही।

हिमालय के लिए घातक है तेजी से बढ़ता प्रदूषण

पीजी कॉलेज कर्णप्रयाग में भूगोल विभाग के प्रोफसर डॉ. रमेश चंद्र भट्ट का कहना है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियरों के पिघलने की दर में तेजी आ ी है। चार धाम वाले क्षेत्रों में प्रदूषण हिमालय के लिए घातक है। वन्य जीव, प्राकृतिक वनस्पति के दोहन से इकोलॉजी सिस्टम को तेजी से नुकसान हो रहा है।

80 लोगों से शुरू हुए नमक आंदोलन में जुड़ गए थे हजारों

संवाद न्यूज एजेंसी

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हुआ कार्यक्रम, युवाओं को दी आंदोलनों की जानकारी

पौड़ी/कर्णप्रयाग। राठ महाविद्यालय पैठाणी के कला संकाय की ओर से आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने युवा पीढ़ी को आजादी के आंदोलनों के बारे में बताया। प्राचार्य डा. जितेंद्र नेगी ने कहा कि 12 मार्च से ही नमक कानून के खिलाफ आंदोलन शुरू हुआ था। यह आंदोलन 80 आंदोलनकारियों के समूह से शुरू हुआ और अंत तक इस आंदोलन में हजारों लोग जुड़ गए। आंदोलन का नेतृत्व महात्मा गांधी ने किया था।

प्राचार्य डा. नेगी ने बताया कि कार्यक्रम के तहत पांच अप्रैल तक विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी। वहीं पीजी कॉलेज कर्णप्रयाग में विचार गोष्ठी हुई। भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आरसी भट्ट ने स्वतंत्रता संग्राम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साबरमती में शुरू हुई दांडी यात्रा पर जानकारी दी।

आजादी का अमृत महोत्सव का किया उदघाटन

■ रुद्रप्रयाग/कर्णप्रयाग/एसएनबी।

जिले के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अगस्त्यमुनि एवं महाविद्यालय जखोली में आजादी का अमृत महोत्सव का शुभारंभ हो गया है। इस मौके पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की दांडी यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डालकर आजादी के लिए किए गए कार्यों को याद किया। पांच अप्रैल तक चलने वाले इस कार्यक्रम में स्वाधीनता को लेकर किए गए कार्यों पर सेमिनार एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

राजकीय महाविद्यालय जखोली में दांडी मार्च की वर्षगांठ पर आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डा.माधुरी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में दांडी मार्च की अहम भूमिका रही है जिसमें महात्मा गांधी समेत कई महान लोगों का योगदान महत्वपूर्ण रहा है।

कार्यक्रम प्रभारी डा. बबीता कुमार बिहान ने द ांडी मार्च की यात्रा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया कि पांच अप्रैल तक चलने वाले इस कार्यक्रम में आजादी के दौरान किए गए कार्यों को लेकर सेमिनार व विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में डा.सुभाष कुमार, डा.नंदलाल, डा.भारती, डा.एमपी नौगाई, डा.मौनाक्षी शर्मा, सुमित बिजलवान समेत छात्र छात्राएं उपस्थित थी वहीं राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अगस्त्यमुनि के स्वामी रामकृष्ण सेमिनार हॉल में स्वयंसेवकों ने सरस्वती वंदना के साथ आजादी का अमृत महोत्सव का शुभारंभ किया।

गायन प्रतियोगिता में किरन ने प्रथम, अनिरुद्ध भट्ट ने द्वितीय, सीता ने तृतीय स्थान पर रही। राजनीति विज्ञान विभाग में भारतीय स्वतंत्रता एवं संघर्ष विषय पर प्रतियोगिता में प्रमिला ने प्रथम, महिमा ने द्वितीय, अरविंद सिंह व रुचि ने तृतीय और सांत्वना पुरस्कार अर्चना ने प्राप्त किया। संचालन डा.जितेंद्र सिंह ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा.केपी चमोली ने आजादी के महोत्सव के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डा.निधि छाबड़ा, डा.आबिदा, डा.सुधीर पेटवाल, डा.शशि बाला पंवार, डा.मनीषा सिंह, डा. ममता थपलियाल व विनीता रौतेला आदि थे।

कर्णप्रयाग : अमृत महोत्सव का उद्घाटन करते आयोजक।

महाविद्यालय अस्त्यमुनि व जखोली में पांच अप्रैल तक चलेगा महोत्सव

कर्णप्रयाग। राजकीय महाविद्यालय कर्णप्रयाग में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया।

महाविद्यालय में आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। प्रभारी प्राचार्य डा वंदना तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में देश की आजादी तथा डांडी यात्रा के 75 वर्ष पूरे होने पर शानदार कार्यक्रम आयोजित किया गया। डा तिवारी ने कहा कि छात्र-छात्राओं को आजादी के संघर्ष के बारे में रूबरू करने के लिए ही यह महोत्सव मनाया जा रहा है।

भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डा आरसी भट्ट ने राष्ट्र निर्माण के संकल्प तथा साम्राज्यवाद के खिलाफ भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी द्वारा 12 मार्च 1930 को साबरमती में शुरू किए गए डांडी यात्रा की जानकारी दी।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डा कविता, डा स्वाति सुंदरियाल, डा एमएस कंडारी, डा हरीश बहुगुणा आदि भी विचार व्यक्त किए। इस दौरान छात्रछात्राओं को आजादी के संघर्ष के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए स्वाधीनता सेनानियों को याद किया गया।

राजकीय महाविद्यालय अगस्त्यमुनि में आयोजित अमृत महोत्सव कार्यक्रम में स्वयंसेवी।

वाल amarujala.com

डॉ. शिवानंद को किया याद

पैतृक गांव कोठला में गोष्ठी का आयोजन कर उनके आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

संवाद न्यूज एजेंसी

पौड़ी/रुद्रप्रयाग। उत्तर प्रदेश के पूर्व उच्च शिक्षा व पर्वतीय विकास मंत्री डॉ. शिवानंद नौटियाल की जयंती पर उनके पैतृक गांव कोठला में ग्रामीणों ने उन्हें याद किया। इस दौरान आयोजित गोष्ठी में ग्रामीणों ने स्व. नौटियाल के आदर्शों पर चलने का संकल्प भी लिया। डॉ. शिवानंद नौटियाल का जन्म 26 जून 1936 को कोठला में हुआ था। वे एक बार पौड़ी और 5 बार कर्णप्रयाग विधानसभा से विधायक रहे।

उन्हें पर्वतीय क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए याद किया जाता है। कोठला में ग्रामीणों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि देने वालों में नंदराम नौटियाल, भगवती प्रसाद, देवी प्रसाद, गुलाब सिंह, कैलाश सिंह, युद्धवीर सिंह, बंटी सिंह शामिल थे।

वहीं रुद्रप्रयाग में भी स्व. डॉ. शिवानंद नौटियाल को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। यहां आयोजित संगोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकार रमेश पहाड़ी ने कहा कि राजनीति के बदलते परिवेश में डॉ. नौटियाल के लिए पहाड़ हमेशा आगे रहा। 30 वर्ष तक विधायक रहते हुए भी उनका जीवन सादगी भरा रहा। एलएल सुंदरियाल ने कहा कि पहाड़ में शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना डॉ. नौटियाल की देन है। समाजसेवी प्रदीप बगवाड़ी एवं माधो सिंह नेगी ने कहा कि तहसील की स्थापना के समय नौटियाल ने जनपद की नींव रख दी थी। इस मौके पर ओपी भट्ट, देवेंद्र सिंह और मनीष सुंद्रियाल समेत कई अन्य लोग मौजूद थे।

गैरसैंण मे डॉ. शिवानंद नौटियाल का जन्म दिवस मनाते कांग्रेसी कार्यकर्ता।

नौटियाल के कार्यों को याद किया

कर्णप्रयाग/गैरसैंण। पूर्व विधायक डॉ. शिवानंद नौटियाल की जयंती पर पीजी कॉलेज कर्णप्रयाग में डॉ. शिवानंद नौटियाल स्मृति व्याख्यान का ऑनलाइन आयोजन किया गया। व्याख्यान का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. जगदीश प्रसाद ने किया। मुख्य वक्ता पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित मैती आंदोलन के संस्थापक कल्याण सिंह रावत, भुवन नौटियाल, बहुगुणा विचार मंच के गढ़वाल/कुमाऊं संयोजक व वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश पुजारी ने डॉ. शिवानंद नौटियाल के व्यक्तित्व, सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन के पहलुओं पर प्रकाश डाला। ऑनलाइन व्याख्यान के संयोजक डॉ. आरसी भट्ट, डॉ. रूपेश श्रीवास्तव, डॉ शीतल देशवाल, डॉ नरेंद्र पंवाल, डा. नेहा तिवारी, डा. वंदना तिवारी ने भी व्याख्यान दिया गया। वहीं गैरसैंण में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डॉ. शिवानंद नौटियाल के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें याद किया। संवाद